संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती
अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024
विद्याशाखा: मानवविज्ञान
Faculty: Humanities
पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी
Programme: M.A.II (Hindi)
भाग - अ (Part - A)

POs :

1) छात्रों को सृजनशील बनाना।
2) छात्रों को साहित्य के माध्यम से हिंदी भाषा का ज्ञान प्राप्त करवाना।
3) छात्रों को हिंदी भाषा के मानक एवं शुद्ध लेखन कार्य में निपुण बनाना।
4) छात्रों को हिंदी भाषा में औपचारिक एवं अनौपचारिक शिक्षा ग्रहण कर, आत्मनिर्भर बनाना।
5) छात्रों को हिंदी में रोजगार के अवसरों से अवगत करवाना।
6) छात्रों को अनुसंधान के लिए प्रेरित करना।

PSO :

1. छात्रों को प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्यकारों के साहित्य से परिचय करना।
2. लोकजागरण एवं लोकमंगल का काव्य से अवगत कराना।
3. छात्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक अभिव्यंजना की वृद्धि करना।
4. रचनात्मक लेखन कार्य करवाना।
   (छात्रों से स्वयं की काव्याभिव्यक्ति का विकास करवाना, जिसका विषय अध्यापक देंगे)

पाठयक्रम की रोजगार विषयक संभावनाएँ :-

साहित्य किसी संस्कृति के ज्ञान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साहित्य के अध्ययन से तत्कालीन मानव जीवन के रहन-सहन व अन्य गतिविधियों को आसानी से जाना जा सकता है तथा साहित्य के माध्यम से ही हम अपने मूल्यों की विरासत को सीख सकते हैं। इस संदर्भ में हिंदी साहित्य का भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान रहा है। हिंदी साहित्य के मुख्यत: तीन काल आदिकाल, मध्यकाल और आधुनिक काल पर दृष्टिपात करने से हिंदी साहित्य की गरिमा दृष्टिगत होती है, जो राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के उद्धरण से सार्थक सिद्ध होती है। उन्होंने कहा हैं कि "परिवर्तन यदि उन्नति है तो निश्चित ही हमें आगे बढ़ते जाना है। किंतु मुझे तो पूर्व के सीधे-सच्चे भाव ही भाँते है।" अर्थात् काल के अनुसार साहित्य में परिवर्तन हो रहा है। किंतु उसमें निहित मूल्यों को चीरस्थायी रखते हुए हमने उन्नति का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए। यही हिंदी साहित्य के अध्ययन का लक्ष्य रहा है।

हिंदी साहित्य के अध्ययन से छात्र के व्यक्तित्व का सर्वागीण विकास होकर वह समाज एवं राष्ट्र का सुदृढ़ नागरिक बन सकता है साथ ही छात्र पाठ्यक्रम के माध्यम से अपने जीवनयापन के लिए स्वर्णिम अवसर प्राप्त कर सकते है जो निम्नांकित है-

1) छात्र रचनात्मक लेखन में निपुण होकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
2) छात्र नेट, सेट तथा एम. पेट परीक्षा के लिए पात्र हो सकते हैं।
3) छात्र दुभाषिए के पद पर कार्य कर सकते हैं।
4) इस अभ्यासक्रम के माध्यम से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं।
5) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिंदी विज्ञापन लेखन में निष्णांत हो सकते हैं।
6) छात्र अनुवाद के क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं।
7) छात्र हिंदी प्रूफ-रीडर के पद पर कार्य करने में सक्षम हो सकते हैं।
8) इस पाठ्यक्रम से छात्र देश तथा विदेशों में हिंदी अध्यापन का कार्य कर सकते हैं।
9) छात्र नवीनतम अनुसंधान के लिए प्रेरित होकर कार्य कर सकते हैं।

Part B

Programme : M.A. 2, Hindi Semester-III

Sr. No.	Subject	Code Of the Course/ Subject	Title Of the Course/Subject	Total Numbers Of periods	Credits	Marks
1	DSC-1	3205	आधुनिक काव्य	60	4	100
2	DSC-2	3206	आधुनिक गद्य साहित्य	60	4	100
3	DSC-3	3207	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	60	4	100
4	DSC-4	3208	निबंध	60	4	100
5	RP	3209	शोध परियोजना	75	5	100
6	SEC-1 Tutorial	3210	हिन्दी कम्प्यूटिंग तथा इंटरनेट	30	2	50
7	SEC-2 Tutorial	3211	जनसंचार माध्यम	30	2	50
कुल श्रेयांक					25	600

सूचना-

- DSC अनिवार्य रहेंगे।
- RP(**शोध परियोजना**) तीसरे अथवा चौथे सत्र में से कम से कम एक सत्र में अनिवार्य रहेंगा।
- SEC-1, SEC-2 यह प्रश्नपत्र तीसरे और चौथे सत्र में से कम से कम एक सत्र में अनिवार्य रहेंगा (इसकी परीक्षा महाविद्यालय स्तर पर होगी)।

Programme : M.A. 2, Hindi Semester-IV

Sr. No.	Subject	Code Of the Course/ Subject	Title Of the Course/Subject	Total Numbers Of periods	Total Credits	Marks
1	DSC-1	3205	आधुनिक काव्य	60	4	100
2	DSC-2	3206	आधुनिक गद्य साहित्य	60	4	100
3	DSC-3	3207	भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा	60	4	100
4	DSC-4	3208	निबंध	60	4	100
5	Research Project	3209	शोध परियोजना	75	5	100
6	SEC-1 Tutorial	3210	हिन्दी कम्प्यूटिंग तथा इंटरनेट	30	2	50
7	SEC-2 Tutorial	3211	जनसंचार माध्यम	30	2	50
	कुल श्रेयांक				25	600

सूचना-

- DSC अनिवार्य रहेंगे।
- RP(**शोध परियोजना**) तीसरे अथवा चौथे सत्र में से कम से कम एक सत्र में अनिवार्य रहेंगा।
- SEC-1, SEC-2 यह प्रश्नपत्र तीसरे और चौथे सत्र में से कम से कम एक सत्र में अनिवार्य रहेंगा (इसकी परीक्षा महाविद्यालय स्तर पर होगी)।

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती
अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024
विद्याशाखा: मानवविज्ञान
Faculty: Humanities
पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी
Programme: M.A.II (Hindi)
भाग - अ (Part - B)

Programme: M.A.II, Hindi Semester-III
प्रश्नपत्र -1 (DSC-1**)**
आधुनिक काव्य
तृतीय सत्र

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-1 3205	**आधुनिक काव्य**	60	4

प्रस्तावना :

आधुनिक हिन्दी काव्य पुनर्नवा के रूप में नवीन भावभूमि एवं वैचारिक गतिशीलता लेकर अवतरित हुआ। आधुनिकता, इहलौकिकता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं। उपेक्षित विषय भी यहाँ सार्थक एवं प्रासंगिक हो गए। उन्नीसवीं शती के उत्तरार्ध से अद्यावधि तक की संवेदनाएँ, भावनाएँ एवं नूतन विचारसरणियों इसमें अभिव्यक्त हुई हैं। विविधधाराओं में प्रवाहमान आधुनिक हिन्दी काव्य प्रेरणा और ऊर्जा का अजस्त्र स्त्रोत है। अंतःसंवेदना तथा ज्ञान-क्षितिज के विस्तार के लिए अत्यंत आवश्यक एवं प्रासंगिक हैं।

COs :

1. शोधपत्र लेखन शैली को विकसित करवाना।
2. आधुनिक काव्य से परिचित होंगें।
3. साहित्यिक रचनाओं का ज्ञान प्राप्त होगा।
4. प्रसिद्ध रचनाकारों के रचनाओं को समझ पायेंगे।

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	1. मैथिलीशरण गुप्त - यशोधरा 2. जयशंकर प्रसाद- कामायनी (श्रद्धा, इडा, लज्जा सर्ग) 3. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला - सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता 4. सुमित्रानंदन पंत - परिवर्तन, मौन निमंत्रण	**30**
इकाई 2	द्रुतपाठ के लिये निम्नांकित 4 कवियों का अध्ययन किया जायेगा - 1. रामधारी सिंह 'दिनकर' 2. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' 3. हरिवंशराय बच्चन 4. गिरिजाकुमार माथुर	**30**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 20 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
2) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कुल अंक -20

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे

पूर्णांक :80

प्रश्न क्र 1: इकाई -1 के प्रत्येक कवि की कृति से एक-एक व्याख्या कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करना अनिवार्य है, प्रत्येक व्याख्या पर 10 अंक निर्धारित है।

2x10= 20

प्रश्न क्र 2: इकाई -1 के कवियों पर अथवा कविताओं पर 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 2 प्रश्न हल करने होंगे प्रत्येक प्रश्न पर 10अंक निर्धारित है।

2x10 = 20

प्रश्न क्र 3: इकाई-2 से कुल 6 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 4 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है।

4x5 = 20

प्रश्न क्र 4: संपूर्ण पाठ्यक्रमपर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

20x1= 20

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती

अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024

विद्याशाखा: मानवविज्ञान

Faculty: Humanities

पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी

Programme: M.A.II (Hindi)

भाग - अ (Part - B)

Programme: M.A.II, Hindi Semester-III

प्रश्नपत्र -2 (DSC-II**)**

आधुनिक गद्य साहित्य

तृतीय सत्र

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-2 3206	**आधुनिक गद्य साहित्य**	60	4

प्रस्तावना :-

आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य का राग-विराग, तर्क-वितर्क तथा चिंतन-मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशलपूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यंजित होता है वैसा अन्य साहित्यांग में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इस तथ्य का साक्षी है कि प्रौढ़ मन-मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध, गद्य का प्रौढ़-शक्तिशाली प्रतिरूप, उसकी वैयक्तिक एवं स्वातंत्र्य चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य वामन से विराट बन गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रवृत्ति, परिवेश, परिस्थिति, तथा चिंतन की विकास प्रक्रिया के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अध्ययन अनिवार्य है।

Cos :

1. शोधपत्र लेखन शैली को विकसित करवाना।
2. आधुनिक गद्य साहित्य से परिचित होंगें।
3. नाट्य रचनाओं का ज्ञान होगा।
4. प्रसिद्ध रचनाकारों के उपन्यासों को समझ पायेंगे।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र -2

आधुनिक गद्य साहित्य (DSC-II)

तृतीय सत्र

Unit	**Syllabus**	**Total Periods**
इकाई 1	1. ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद 2. पोस्टर - डॉ. शंकर शेष 3. मित्रों मरजानी - कृष्णा सोबती 4. तमस - भीष्म साहनी	**30**
इकाई 2	द्रुतपाठ के लिये निम्नांकित 4 रचनाकारों का अध्ययन किया जायेगा - 1. मोहन राकेश - नाटककार के रूप में 2. लक्ष्मीनारायण मिश्र - नाटककार के रूप में 3. मन्नू भंडारी - कहानीकार के रूप में	**30**

	4. फणीश्वरनाथ रेणु - उपन्यासकार के रूप में	

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 20 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1. विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रमपर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
2. महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
   कुल अंक -20

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे

पूर्णांक :80

प्रश्न क्र 1: इकाई -1 के प्रत्येक रचनाकार की कृति से एक-एक व्याख्या कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करना अनिवार्य है, प्रत्येक व्याख्या पर 10 अंक निर्धारित है।

2x10 = 20

प्रश्न क्र 2: इकाई -1 के रचनाकारों अथवा रचनाओं पर 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 प्रश्न हल करने होंगे प्रत्येक प्रश्न पर 10 अंक निर्धारित है।

2x10 = 20

प्रश्न क्र 3: इकाई-2 से कुल 6 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 4 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है।

4x5 = 20

प्रश्न क्र 4: संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

1x20 = 20

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती

अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024

विद्याशाखा: मानवविज्ञान

Faculty: Humanities

पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी

Programme: M.A.II (Hindi)

भाग - अ (Part - B)

Programme: M.A.II, Hindi Semester-III

प्रश्नपत्र -3 (DSC-III**)**

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

तृतीय सत्र

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-3 3207	**भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा**	60	4

प्रस्तावना : -

साहित्य आद्यंत एक भाषिक निर्मिति है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था का सुस्पष्ट सर्वांगीण ज्ञान अपरिहार्य है। भाषा विज्ञान, भाषा की वस्तुनिष्ठ अध्ययन प्रणाली के रूप में भाषिक इकाइयों तथा भाषा संरचना के विभिन्न स्तरों पर उनके अंतरसंबंधों के विन्यास को आलोकित कर न केवल अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है, अपितु भाषा-विषयक विवेचन के लिए एक निरुपक भाषा भी प्रदान कराता है। मूल भाषा व्यवस्था पर आरोपित द्वितीयक साहित्यिक व्यवस्था की भाषिक प्रकृति की स्वीकृति प्राचीन भारतीय एवं अधुनातक पाश्चात्य साहित्य चिंतन में समान रूप से लक्षणीय है। यह कहने की आवश्यकता नहीं कि भाषा के साहित्येतर प्रयोजनमूलक रूपों के अध्ययन में भी भाषा वैज्ञानिक चिंतन का लाभ उतना ही महत्वपूर्ण है।

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप,विविधरूपता तथा हिन्दी कम्प्यूटर सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्टय विकास और मानकीकरण का हिन्दी के लिए उपयोगी है।

Cos :

1. छात्रों में भाषा की संरचना को समझने क्षमता विकसित होगी।
2. भाषा विज्ञान का स्वरुप समझेंगे।
3. लिपियों के मानकीकरण को उपयोग समझ पायेंगे।
4. देवनागरी हिंदी लिपि का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र -3

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (DSC-III)

तृतीय सत्र

Unit	**Syllabus** **(क) भाषा विज्ञान**	**Total Periods**
इकाई 1	❖ भाषा और भाषा विज्ञान :- ○ भाषा की परिभाषा और अभिलक्षण ○ भाषा व्यवस्था, भाषा संरचना तथा भाषिक प्रकार्य ○ भाषाविज्ञान स्वरूप एवं व्याप्ति ❖ अध्ययन की दिशाएँ :- ○ वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक	**12**

इकाई 2	❖ ध्वनि विज्ञान:- ○ ध्वनि विज्ञान का स्वरुप और शाखाएँ ○ ध्वनि यंत्र और उसके कार्य ○ ध्वनि की अवधारणा और स्वनों का वर्गीकरण, ○ स्वन गुण ○ स्वनिम की अवधारणा ○ स्वनिम के भेद	**12**
इकाई 3	❖ रूप विज्ञान:- ○ रूप प्रक्रिया का स्वरूप और शाखाएँ ❖ रूपिम की अवधारणा और भेद :- ○ मुक्त-आबद्ध ○ अर्थदर्शी और संबंधदर्शी ○ रूपिम के भेद और प्रकार्य	**12**
इकाई 4	❖ अर्थ विज्ञान:- ○ अर्थ की अवधारणा ○ अर्थ परिवर्तन के कारण ○ अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ	**12**
इकाई 5	❖ वाक्य विज्ञान:- ○ वाक्य की अवधारणा ○ वाक्य के भेद ○ वाक्य विश्लेषण ○ निकटस्थ अवयव विश्लेषण ○ हिंदी वाक्य रचना ○ पदक्रम और अन्विति	**12**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 20 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1. विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
2. महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

   कुल अंक -20

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 80

प्रश्न क्र 1: (क)भाषा विज्ञान - पाँच इकाइयों में से पाँच दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक इकाई में से एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x15 = 45

प्रश्न क्र 2: संपूर्ण पाठ्यक्रम से छह लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x5 = 15

प्रश्न क्र 3: संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। 20 x1 = 20

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती

अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024

विद्याशाखा: मानवविज्ञान

Faculty: Humanities

पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी

Programme: M.A.II (Hindi)

(Part - B)

Programme: M.A.II, Hindi Semester-III

प्रश्नपत्र - 4 (DSC-IV**)**

निबंध

तृतीय सत्र

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-4 3208	**निबंध**	60	4

COs:

1.निबंध विधा को विस्तार से समझकर अभिव्यक्ति कर पायेंगे।

2. निबंध विधा से छात्रों में अभिव्यक्ति पद्धति का विस्तार होगा।

3. हिन्दी साहित्य के काल को समझ पायेंगे।

4. विभिन्न साहित्यकारों को समझ पायेंगे।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

तृतीय सत्र

प्रश्नपत्र - 4

निबंध (DSC-4)

अ.क्र.	**Syllabus** **(अ) निबंध**	**Total Periods**
1	(अ) निबंध:- ○ इस प्रश्नपत्र में 'आदिकाल', 'भक्तिकाल' और 'रीतिकाल' पर आधारित विषय दिए जाएंगे जिनमें से किसी दो विषय पर निबंध लिखने होंगे, जिसके लिए 80 अंक होंगे। (2 x 40 = 80 अंक)	**60**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन

(विषयनिहाय विभागीय परीक्षा) - 20 अंक

.....

कुल अंक - 100

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती

अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024

विद्याशाखा: मानवविज्ञान

Faculty: Humanities

पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी

Programme: M.A.II (Hindi)

Semester-IV

प्रश्नपत्र - 5

Part B

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
RP 3208	शोध परियोजना	75	5

(Cos) :-

1. परियोजना से छात्रों में शोध प्रवृत्ति विकसित होगी।
2. छात्रों की संशोधनात्मक प्रकृति विकसित होगी।
3. छात्र अनुसंधान के संसाधनों का प्रयोग करेगा।
4. छात्र सामग्री विश्लेषण की संकल्पना को पूर्ण करने में निष्णांत बनेंगे।
5. साहित्य के अलग-अलग विधाओं पर संशोधन करेंगे।

गतिविधि :

1. शोध परियोजना कार्य पूर्ण करना।

2. शोध परियोजना कार्य की मौखिकी देना।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
1	शोध परियोजना - संकल्पनात्मक परिचय, स्वरूप	15 तासिकाएँ
2	शोध परियोजना - विषय चयन, पूर्वतैयारी, रूपरेखा	15 तासिकाएँ
3	शोध परियोजना - जानकारी संकलन/सामग्री संकलन	15 तासिकाएँ
4	शोध परियोजना - जानकारी अध्ययन एवं विश्लेषण	15 तासिकाएँ
5	शोध परियोजना - अहवाल लेखन	15 तासिकाएँ

सूचना - शोध परियोजना कार्य के लिए निम्नांकित विषय दिए गए है -

- ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त किसी एक कृति का एवं साहित्यकार का संक्षिप्त मूल्यांकन
- किसी एक स्थानीय साहित्यकार का परिचय और उसकी किसी एक ही कृति का मूल्याकंन
- हास्य व्यंग्य कृति का मूल्यांकन (किसी एक साहित्यकार का)
- हिंदी साहित्य में विरह वर्णन का मूल्याकंन (किसी एक साहित्यकार का)
- हिंदी साहित्य में प्रेम वर्णन का मूल्यांकन(किसी एक साहित्यकार का)

अ.क्र.	शोध परियोजना **के घटक**	**कुल अंक**	**तासिकाएँ**
1	१) उपरोक्त में से किसी एक विमर्श से संबंधित किसी एक साहित्यकार को आधार बनाकर विद्यार्थी एक शोध परियोजना प्रस्तुत करेगा। विद्यार्थी अपनी परियोजना किसी ऐसे प्राध्यापक के मार्गदर्शन में संपन्न करेगा, जिसे कम से कम पांच वर्षों का अध्यापन अनुभव हो। यह परियोजना कम से कम 40 पृष्ठों की होगी। इस परियोजना की दो प्रतियाँ महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए कुल अंक 100 होंगे।	**60 अंक**	75 तासिकाएँ
2	**मौखिकी - शोध परियोजना कार्य से संबंधित विषय पर**	**40 अंक**	
		100 अंक	

शोध परियोजना (Project) :-

1. परियोजना के लिए 60 अंक लेखन और 40 अंक मौखिकी के लिये होंगे।
2. परियोजना के मार्गदर्शक के पास 5 शोधार्थी से अधिक नहीं होना चाहिये।
3. परियोजना की 2 प्रतियाँ महाविद्यालय में जमा करानी होगी।
4. किसी एक परीक्षक के पास पाँच से अधिक परियोजना न भेजे जाये।
5. परियोजना के सभी अधिकार महाविद्यालय के पास ही सुरक्षित रहेंगे।

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती

अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024

विद्याशाखा: मानवविज्ञान

Faculty: Humanities

पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी

Programme: M.A.II (Hindi)

भाग - अ (Part - B)

Programme: M.A.II, Hindi Semester-III

तृतीय सत्र

(SEC-I**)**

हिन्दी कम्प्यूटिंग तथा इंटरनेट

प्रश्नपत्र - 6

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
SEC-I	**हिन्दी कम्प्यूटिंग तथा इंटरनेट**	30	2

Cos :

1. छात्र भाषा और कम्प्यूटर का उपयोग समझ पाएंगे।
2. हिंदी के वेबसाइड की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।
3. लिपियों का उपयोग कर पायेंगे।
4. इन्टरनेट के माध्यम से विभिन्न संसाधनों का उपयोग कर पाएंगे।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र - 6

हिन्दी कम्प्यूटिंग तथा इंटरनेट

तृतीय सत्र

Unit	**Syllabus**	**Total Periods**
इकाई 1	❖ हिन्दी कम्प्यूटिंग - कंप्यूटर - परिचय, रुपरेखा, उपयोग, तथा क्षेत्र, वेब पब्लिशिंग का परिचय	**10**
इकाई 2	इंटरनेट - संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र - वेव पब्लिशिंग	**10**
इकाई 3	• आंतरिक मूल्यांकन - • प्रायोगिक कार्य (अधुनातम उपकरणों के माध्यम से देवनागरी लिपि की उपयोगिता)	**10**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र (वस्तुनिष्ठ) - 25 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 25 अंक

.....

कुल अंक - 50

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती

अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024

विद्याशाखा: मानवविज्ञान

Faculty: Humanities

पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी

Programme: M.A.II (Hindi)

भाग - अ (Part - B)

Programme: M.A.II, Hindi Semester-III

(SEC-II**)**

तृतीय सत्र

जनसंचार माध्यम

प्रश्नपत्र - 7

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
SEC-II	जनसंचार माध्यम	30	2

Cos :

1. छात्र जनसंचार माध्यम के विविध प्रकारों से अवगत होंगे।
2. विविध संचार माध्यमों हिंदी की उपयोगिता से परिचित होंगे।
3. जनसंचार माध्यमों के स्वरूप को समझ पायेंगे।
4. अधुनातम संचार माध्यमों में देवनागरी लिपि की उपादेयता समझेंगे।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र -7

जनसंचार माध्यम

तृतीय सत्र

Unit	**Syllabus**	**Total Periods**
इकाई 1	❖ समाचारपत्र/पत्रिकाएं ○ परिचय ○ रूपरेखा ○ उपयोग तथा क्षेत्र ○ मुद्रण	**10**
इकाई 2	❖ इलेक्ट्रानिक जनसंचार माध्यम- ○ रेडियो ○ दूरदर्शन ○ इंटरनेट	**10**
इकाई 3	• आंतरिक मूल्यांकन - • प्रायोगिक कार्य (जनसंचार माध्यमों के अधुनातम उपकरणों के माध्यम से देवनागरी लिपि की उपयोगिता)	**10**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र (वस्तुनिष्ठ) - 25 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 25 अंक

.....

कुल अंक - 50

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती
अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024
विद्याशाखा: मानवविज्ञान
Faculty: Humanities
पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी
Programme: M.A.II (Hindi)
भाग - अ (Part - A) Semester-IV

POs :

1) छात्रों को सृजनशील बनाना।
2) छात्रों को साहित्य के माध्यम से हिंदी का समय ज्ञान प्राप्त करवाना।
3) छात्रों को हिंदी भाषा के मानक एवं शुद्ध लेखन कार्य में निपुण बनाना।
4) छात्रों को हिंदी भाषा का औपचारिक एवं अनौपचारिक भाषा की शिक्षा ग्रहण कर आत्मनिर्भर बनाना।
5) छात्रों को हिंदी में रोजगार के अवसरों से अवगत करवाना।
6) छात्रों को अनुसंधान के लिए प्रेरित करना।

PSO :

1. छात्रों को प्राचीन एवं मध्यकालीन साहित्यकारों के साहित्य से परिचय करना।
2. लोकजागरण एवं लोकमंगल का काव्य |
3. छात्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं कलात्मक अभिव्यजना की वृद्धि ।
4. रचनात्मक लेखन करवाना |

(छात्रों से स्वयं की काव्याभिव्यक्ति करवाना) (विषय अध्यापक स्वयं देंगे)

साहित्य किसी संस्कृति के ज्ञान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साहित्य के अध्ययन से तत्कालीन मानव जीवन के रहनसहन व अन्य गतिविधियों को आसानी से जाना जा सकता है तथा साहित्य के माध्यम से ही हम अपने मूल्यों की विरासत को सीख सकते हैं। इस संदर्भ में हिंदी साहित्य का भारतीय संस्कृति में विशेष स्थान है। हिंदी साहित्य के मुख्यत तीन काल आदिकाल मध्यकाल और आधुनिक काल पर दृष्टिपात करने से हिंदी साहित्य की गरिमा दृष्टिगत होती है जो राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त के उद्धरण से सार्थक सिद्ध होती है। उन्होंने कहा है परिवर्तन यदि उन्नति है तो निश्चित ही हमें आगे बढ़ते जाना है किंतु मुझे तो पूर्व के सीधे-सच्चे भाव ही भाँते है।" अर्थात काल के अनुसार साहित्य में परिवर्तन हो रहा है किंतु उसमें निहित मूल्यों को चीरस्थायी रखते हुए हमने उन्नति का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए यदि हिंदी साहित्य के अध्ययन का लक्ष्य रहा है।

हिंदी साहित्य के अध्ययन से छात्र के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होकर वह समाज एवं राष्ट्र का सुदृढ़ नागरिक बन सकता है साथ ही छात्र पाठ्यक्रम के माध्यम से अपने जीवनयापन के लिए स्वर्णिम अवसर प्राप्त कर सकते है जो निम्नांकित है-

1) छात्र रचनात्मक लेखन में निपुण होकर रोजगार प्राप्त कर सकते हैं।
2) छात्र नेट, सेट तथा एम. पेट परीक्षा के लिए पात्र हो सकते हैं।
3) छात्र दुभाषिए के पद पर कार्य कर सकते हैं।
4) इस अभ्यासक्रम के माध्यम से पत्रकारिता के क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं।
5) इस पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्र हिंदी विज्ञापन लेखन में निष्णांत हो सकते हैं।
6) छात्र अनुवाद के क्षेत्र में कार्य कर सकते हैं।
7) छात्र हिंदी प्रूफ-रीडर के पद पर कार्य करने में सक्षम हो सकते हैं।
8) इस पाठ्यक्रम से छात्र देश तथा विदेशों में हिंदी अध्यापन का कार्य कर सकते हैं।
9) छात्र नवीनतम अनुसंधान के लिए प्रेरित होकर कार्य कर सकते हैं।

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती

अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024

विद्याशाखा: मानवविज्ञान

Faculty: Humanities

पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी

Programme: M.A.II (Hindi)

Semester-IV

Part B

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-I 3205	**आधुनिक काव्य**	60	4

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

चतुर्थ सत्र

आधुनिक काव्य (DSC-I**)**

प्रश्नपत्र -1

Cos :

1. शोधपत्र लेखन शैली को विकसित करवाना।
2. आधुनिक काव्य साहित्य से परिचित होंगें।
3. काव्य के सूक्ष्मतम पहलूओं का ज्ञान प्राप्त होगा।
4. प्रसिद्ध रचनाकारों के रचनाओं को समझ पायेंगे।

Unit	**Syllabus**	**Total Periods**
इकाई 1	1. महादेवी वर्मा :- ○ वे मुस्काते फूल नहीं ○ छाया की आँख मिचौनी ○ जो तुम आ जाते एक बार ○ कह दे माँ क्या अब देखें (कविताएँ 'संधिनी से) 2. स.ही. वात्सायन 'अज्ञेय':- ○ नदी के द्वीप ○ असाध्य वीणा ○ हरी घास पर क्षण भर 3. मुक्तिबोध :- ○ अंधेरे में ○ ब्रह्मराक्षस 4. नागार्जुन कविताएँ :- 1. चंदु मैंने सपना देखा 2. उनको प्रणाम 3. बादल को घिरते देखा 4. अकाल और उसके बाद 5. मेरी भी आभा है इसमें (नागार्जुन प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन, दि□ल्ली)	**30**
	द्रुतपाठ के लिये निम्नांकित 4 कवियों का अध्ययन किया	

इकाई 2	जायेगा, जिसमें- 1. कुँवरनारायण 2. शमशेर बहादुर सिंह 3. धर्मवीर भारती 4. दुष्यंतकुमार	**30**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 20 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
2) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कुल अंक -20

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 80

प्रश्न क्र 1: इकाई -1 के प्रत्येक कवि की कृति से एक-एक व्याख्या कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करना अनिवार्य है, प्रत्येक व्याख्या पर 10अंक निर्धारित है।

2x10 =20

प्रश्न क्र 2: इकाई -1 के कवियों पर अथवा कविताओं पर 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से 2 प्रश्न हल करने होंगे प्रत्येक प्रश्न पर 10 अंक निर्धारित है।

2x10 = 20

प्रश्न क्र 3: इकाई-2 से कुल 6 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 4 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है।

4x5 = 20

प्रश्न क्र 4: संपूर्ण पाठ्यक्रमपर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

20x1=20

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती
अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024
विद्याशाखा: मानवविज्ञान
Faculty: Humanities
पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी
Programme: M.A.II (Hindi)
Semester-IV

Part B

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-II 3206	आधुनिक गद्य साहित्य	60	4

Cos:

1. नाटक लेखन शैली से परिचित होंगे।
2. आधुनिक कथा, नाटक तथा उपन्यास साहित्य से परिचित होंगें।
3. आधुनिक गद्य साहित्य के परिवेश की जानकारी प्राप्त होंगी।
4. प्रसिद्ध रचनाकारों की रचनाओं को समझ पायेंगे।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2
प्रश्नपत्र - 2
आधुनिक गद्य साहित्य (DSC-II)
चतुर्थ सत्र

Unit	Syllabus	Total Periods
इकाई 1	1. कुछ शब्द कुछ रेखाएँ:- विष्णु प्रभाकर 2. जूठन (भाग-1) :- ओमप्रकाश वाल्मीकि 3. निबंध निलय:- संपादक आचार्य सत्येंद्र (वाणी प्रकाशन, दिल्ली) ○ आचार्य रामचंद्र शुक्ल ○ आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी ○ डॉ. रामविलास शर्मा, श्री विद्यानिवास मिश्र 4. कथान्तर :- संपादक- परमानंद श्रीवास्तव (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली) ○ चंद्रधर शर्मा गुलेरी ○ प्रेमचंद ○ जैनेन्द्र ○ कमलेश्वर ○ उषा प्रियम्वदा ○ निर्मल वर्मा	**30**
इकाई 2	द्रुतपाठ के लिये निम्नांकित 4 कवियों का अध्ययन किया जायेगा, जिसमें - 1. श्यामसुंदर दास - आलोचक के रूप में 2. अज्ञेय - कहानीकार के रूप में 3. अमृत राय - जीवनीकार के रूप में 4. हरिवंशराय बच्चन - आत्मकथाकार के रूप में	**30**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 20 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1) विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रमपर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
2) महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कुल अंक -20

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे

पूर्णांक :80

प्रश्न क्र 1: इकाई -1 के प्रत्येक रचनाकारों की कृति से एक-एक व्याख्या कुल चार व्याख्याएँ पूछी जायेंगी, जिनमें से दो व्याख्याएँ करना अनिवार्य है, प्रत्येक व्याख्या पर 10 अंक निर्धारित है।

2x10 =20

प्रश्न क्र 2: इकाई -1 के रचनाकारों अथवा रचनाओं पर 4 दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 2 प्रश्न हल करने होंगे प्रत्येक प्रश्न पर 10 अंक निर्धारित है।

2x10 = 20

प्रश्न क्र 3: इकाई-2 से कुल 6 लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से 4 प्रश्न हल करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए 5 अंक निर्धारित है।

4x5 = 20

प्रश्न क्र 4: संपूर्ण पाठ्यक्रमपर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा।

1x20= 20

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती

अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024

विद्याशाखा: मानवविज्ञान

Faculty: Humanities

पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी

Programme: M.A.II (Hindi)

Semester-IV

Part B

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-III 3207	**भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा**	60	4

COs:

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि तथा विशेषताओं से परिचित होंगे।
2. हिंदी भाषा के प्रभाव को समझ अभिव्यक्त करने की क्षमता का विकास होगा।
3. भाषा और ध्वनियों का परस्पर समन्वय समझ कर, उस प्रयोग कर पायेंगे।
4. हिंदी में कम्प्यूटर सुविधा तथा हिंदी भाषा-शिक्षण का परिपूर्ण ज्ञान प्राप्त होगा।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र -3

भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा (DSC-III)

चतुर्थ सत्र

Unit	**Syllabus** **(क) हिंदी भाषा**	**Total Periods**
इकाई 1	❖हिन्दी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :- ○ प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ - ○ वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ। • मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ - • पालि प्राकृत शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ। • आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और उनका वर्गीकरण।	**12**
इकाई 2	❖ हिन्दी का भौगोलिक विस्तार :- • हिन्दी की उपभाषाएँ, पश्चिमी हिन्दी, पूर्वी हिन्दी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ • खड़ीबोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।	**12**
इकाई 3	❖ हिन्दी का भाषिक स्वरुप :- • हिन्दी शब्द रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, समास, लिंग, वचन, कारक व्यवस्था, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण।	**12**
इकाई 4	❖ देवनागरी लिपि :- विशेषताएँ और मानकीकरण।	**12**
इकाई 5	❖ हिन्दी के विविध रुप :- • संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिन्दी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिन्दी की संवैधानिक स्थिति। ❖ हिन्दी में कम्प्यूटर सुविधाएँ: • वर्तनी- शोधक	**12**

	• मशीनी अनुवाद • हिंदी भाषा-शिक्षण	

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 20 अंक

.....

कुल अंक - 100

आंतरिक मूल्यांकन -

1. विद्यार्थी को संबंधित प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम पर आधारित एक शोधपत्र लिखना होगा, जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।
2. महाविद्यालय में कार्यरत विषय अध्यापक द्वारा विषय से संबंधित मौखिकी परीक्षा ली जायेगी जिसके लिए 10 अंक निर्धारित हैं।

कुल अंक -20

प्रश्नपत्र का स्वरुप -

समय : 3 घंटे

पूर्णांक : 80

प्रश्न क्र 1: (ख)हिंदी भाषा - पाँच इकाइयों में से पाँच दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक इकाई में से एक आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनमें से तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x15 = 45

प्रश्न क्र 2: संपूर्ण पाठ्यक्रम से छह लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से तीन प्रश्न हल करने होंगे। 3x5 = 15

प्रश्न क्र 3: संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 20 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे, प्रत्येक प्रश्न 1 अंक का होगा। 20 x1 = 20

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती

अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024

विद्याशाखा: मानवविज्ञान

Faculty: Humanities

पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी

Programme: M.A.II (Hindi)

Semester-IV

Part B

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
DSC-4 3208	**निबंध**	60	4

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र - 4

निबंध (DSC-4)

चतुर्थ सत्र

अ.क्र.	**Syllabus** **(आ) निबंध**	**Total Periods**
1	आ) निबंध:- ○ इस प्रश्नपत्र में आधुनिक काल पर आधारित विषय दिये जायेगे, जिनमें से किसी दो विषय पर निबंध लिखने होंगे, जिसके लिए 80 अंक होंगे। (2 x 40 = 80 अंक)	**60**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र - 80 अंक

आंतरिक मूल्यांकन

(विषयनिहाय विभागीय परीक्षा) - 20 अंक

.....

कुल अंक - 100

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती

अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024

विद्याशाखा: मानवविज्ञान

Faculty: Humanities

पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी

Programme: M.A.II (Hindi)

Semester-IV

प्रश्नपत्र - 5

Part B

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
RP 3208	शोध परियोजना	75	5

(Cos) :-

6. परियोजना से छात्रों में शोध प्रवृत्ति विकसित होगी।
7. छात्रों की संशोधनात्मक प्रकृति विकसित होगी।
8. छात्र अनुसंधान के संसाधनों का प्रयोग करेगा।
9. छात्र सामग्री विश्लेषण की संकल्पना को पूर्ण करने में निष्णांत बनेंगे।
10. साहित्य के अलग-अलग विधाओं पर संशोधन करेंगे।

गतिविधि :

1. शोध परियोजना कार्य पूर्ण करना।

2. शोध परियोजना कार्य की मौखिकी देना।

अ.क्र.	**प्रश्नपत्र के घटक**	**तासिकाएँ**
1	शोध परियोजना - संकल्पनात्मक परिचय, स्वरूप	15 तासिकाएँ
2	शोध परियोजना - विषय चयन, पूर्वतैयारी, रूपरेखा	15 तासिकाएँ
3	शोध परियोजना - जानकारी संकलन/सामग्री संकलन	15 तासिकाएँ
4	शोध परियोजना - जानकारी अध्ययन एवं विश्लेषण	15 तासिकाएँ
5	शोध परियोजना - अहवाल लेखन	15 तासिकाएँ

- **सूचना -** शोध परियोजना कार्य के लिए निम्नांकित विषय दिए गए है - स्त्री विमर्श
- दलित विमर्श
- आदिवासी विमर्श
- कृषि विमर्श
- किन्नर विमर्श
- बाल साहित्य विमर्श

अ.क्र.	शोध परियोजना **के घटक**	**कुल अंक**	**तासिकाएँ**
1	१) उपरोक्त में से किसी एक विमर्श से संबंधित किसी एक साहित्यकार को आधार बनाकर विद्यार्थी एक शोध परियोजना प्रस्तुत करेगा। विद्यार्थी अपनी परियोजना किसी ऐसे प्राध्यापक के मार्गदर्शन में संपन्न करेगा, जिसे कम से कम पांच वर्षों का अध्यापन अनुभव हो। यह परियोजना कम से कम 40 पृष्ठों की होगी। 15 अप्रैल तक इस परियोजना की दो प्रतियाँ महाविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए कुल अंक 100 होंगे।	**60 अंक**	75 तासिकाएँ
2	मौखिकी - शोध परियोजना कार्य से संबंधित विषय पर	**40 अंक**	
		100 अंक	

शोध परियोजना **(Project) :-**

1. परियोजना के लिए 60 अंक लेखन और 40 अंक मौखिकी के लिये होंगे।
2. परियोजना के मार्गदर्शक के पास 5 शोधार्थी से अधिक नहीं होना चाहिये।
3. परियोजना की 2 प्रतियाँ महाविद्यालय में जमा करानी होगी।
4. किसी एक परीक्षक के पास पाँच से अधिक परियोजना न भेजे जाये।
5. परियोजना के सभी अधिकार महाविद्यालय के पास ही सुरक्षित रहेंगे।

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती
अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024
विद्याशाखा: मानवविज्ञान
Faculty : Humanities
पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी
Programme : M.A.II (Hindi)
भाग - अ (Part - B)

Programme : M.A.II, Hindi Semester-III
(SEC-I**)**
हिन्दी कम्प्यूटिंग तथा इंटरनेट
चतुर्थ सत्र
प्रश्नपत्र - 6

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
SEC-I	**हिन्दी कम्प्यूटिंग तथा इंटरनेट**	30	2

Cos :
1. छात्र भाषा और कम्प्यूटर का उपयोग समझ पाएंगे।
2. हिंदी के वेबसाइड की जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।
3. लिपियों का उपयोग कर पायेंगे।
4. इंटरनेट के माध्यम से विभिन्न संसाधनों का उपयोग कर पाएंगे।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2
प्रश्नपत्र - 6
हिन्दी कम्प्यूटिंग तथा इंटरनेट
चतुर्थ सत्र

Unit	**Syllabus**	**Total Periods**
इकाई 1	❖ इंटरनेट एक्सप्लोरर- लिंक ब्राऊजिंग, ई-मेल भेजना, प्राप्त करना	**10**
इकाई 2	❖ हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल डाऊनलोडिंग, अपलोडिंग, हिन्दी सॉप्टवेअर	**10**
इकाई 3	• आंतरिक मूल्यांकन - • प्रायोगिक कार्य (हिंदी के प्रमुख सॉफ्टवेअरों/इंटरनेट पोर्टल संबंधित जानकारी प्रस्तुत कीजिए।)	**10**

अंक विभाजन -
लिखित प्रश्नपत्र (वस्तुनिष्ठ) - 25 अंक
आंतरिक मूल्यांकन - 25 अंक
.....
कुल अंक - 50

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती

अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2023-2024

विद्याशाखा: मानवविज्ञान

Faculty: Humanities

पाठयक्रम: एम.ए. हिंदी

Programme: M.A.II (Hindi)

भाग - अ (Part - B)

Programme: M.A.II, Hindi Semester-III

(SEC-II**)**

जनसंचार माध्यम

चतुर्थ सत्र

प्रश्नपत्र - 7

Code of the Course/Subject	Title of the Course/Subject	(Total Number of Periods)	Total Credits
SEC-II	जनसंचार माध्यम	30	2

Cos :

1. छात्र जनसंचार माध्यम के विविध प्रकारों से अवगत होंगे।
2. विविध संचार माध्यमों हिंदी की उपयोगिता से परिचित होंगे।
3. जनसंचार माध्यमों के स्वरूप को समझ पायेंगे।
4. अधुनातम संचार माध्यमों में देवनागरी लिपि की उपादेयता समझेंगे।

एम.ए (हिन्दी), भाग-2

प्रश्नपत्र -7

जनसंचार माध्यम

चतुर्थ सत्र

Unit	**Syllabus**	**Total Periods**
इकाई 1	❖ समाचारपत्र/पत्रिकाएं o शीर्षक o समाचार लेखन o पृष्ठ सज्जा o विज्ञापन	**10**
इकाई 2	❖ इलेक्ट्रानिक जनसंचार माध्यम- o भ्रमणध्वनि यंत्र(मोबाईल) o सिनेमा o यू-टूब, वाट्सअप, इंस्टाग्राम की उपादेयता	**10**
इकाई 3	• आंतरिक मूल्यांकन - • प्रायोगिक कार्य (जनसंचार माध्यमों के अधुनातम उपकरणों के माध्यम से यू-टूब चैनल की निर्मिती कीजिए।)	**10**

अंक विभाजन -

लिखित प्रश्नपत्र (वस्तुनिष्ठ) - 25 अंक

आंतरिक मूल्यांकन - 25 अंक

.....

कुल अंक - 50

सहायक ग्रंथ सूची :-

1. कबीर और जायसी -पुरुषोत्तम बाजपेयी
2. नयी कविता एक मूल्यांकन शंनूदत्त पाण्डेय
3. 3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य विधाएँ- बापूराव देसाई
4. प्रेमचंद और उनकी उपन्यास कला - रघुवर दयान
5. मुक्तिबोध कविता और जीवन चंद्रकांत देवताले
6. अज्ञेय -निर्मला शर्मा
7. तुलसी के अध्ययन की नई दिशाएँ - रामप्रसाद मिश्र
8. दुष्यंतकुमार और नई कविता -विनय सिंह
9. बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' भावबोध के आयाम - विजयलक्ष्मी सालोदिया
10. धर्मवीर भारती की साहित्य साधना - पुष्पा भारती
11. भाषा विज्ञान एवं समान भाषा विज्ञान -गिरीष परदेशी
12. भाषा और भाषा विज्ञान - तेजपाल चौधरी
13. मुक्तिबोध की काव्यभाषा - सनतकुमार
14. महादेवी का काव्य - वैभव रमेशचंद्र गुप्त
15. पंत के काव्य में कल्पना और कर्तुत्व-बिजरानी भार्गव
16. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं साहित्य-गणपतिचंद्र गुप्त
17. समकालीन हिंदी कवित्व :अज्ञेय और मुक्तिबोध के संदर्भ में- भवदेव पाण्डेय
18. भीष्म साहनी :उपन्यास साहित्य -राजे वर सक्सेना
19. राहुल सांकृत्यायन: सृजन और संघर्ष -जगतसिंह
20. निराला काव्य में विविध आयाम -डॉ. इन्द्रराज सिंह
21. साहित्य में गद्य की विविध विधाएँ -डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया
22. हिंदी निबंध के आधारस्तंभ -प्रो. हरिमोहन
23. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार -प्रो. हरिमोहन
24. आचार्य रामचंद्र शुक्ल संरचना - नागेश प्रताप
25. मैला आँचल :शिल्प और दृष्टि- बद्रिप्रसाद सिंह
26. अंधेरे में एक विश्लेषण- डॉ. विजयपाल सिंह
27. छायावादोत्तर हिंदी कविता: एक अंतरयात्रा- मधुबाला सान्याल
28. हिंदी काव्य-चिंतन के मूलाधार :योगेन्द्र प्रताप सिंह
29. उत्तर आधुनिक अवधारणा - श्रीप्रकाश मिश्र
30. दलित-विमर्श और हिंदी साहित्य -दीपक कुमार पाण्डेय
31. साहित्यिक आन्दोलनों और साहित्य विवादों का इतिहास -अपराजिता श्रीवास्तव
32. नारी चेतना के आयाम -अलका प्रकाश
33. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास - इंद्रनाथ मदान
34. आधुनिकता और हिंदी साहित्य -इंद्रनाथ मदान
35. हिंदी पाठानुसंधान - कन्हैया सिंह
36. पाश्चात्य काव्य चिंतन -करुणाशंकर उपाध्याय
37. कामायनी एक पुनर्विधार - गजानन माधव मुक्तिबोध
38. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धांत - गणपतिचंद्र गुप्त
39. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास 1 (1184 से 1857 ई. तक) - गणपतिचंद्र गुप्त
40. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास 2 (1850 से अब तक) - गणपतिचंद्र गुप्त

41. हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष - गिरीश रस्तोगी
42. निराला: आत्महंता आस्था - दूधनाथ सिंह
43. नागार्जुन और उनकी कविता - नंदकिशोर नवल
44. हिंदी आलोचना का विकास - नंदकिशोर नवल
45. हिंदी साहित्य बीसवीं शताब्दी - नंददुलारे वाजपेयी
46. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां - नामवर सिंह
47. हिन्दी साहित्य का इतिहास पुनर्लेखन की आवश्यकता - पुखराज मारू
48. 21 वीं शती का हिंदी उपन्यास - पुष्पपाल सिंह
49. स्त्री अध्ययन की बुनियाद - के.पी. प्रमीला
50. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - बच्चन सिंह
51. इक्कीसवी सदी का हिंदी साहित्य - सं. रवीन्द्रनाथ मिश्र
52. हिंदी उपन्यास एक अन्तर्यात्रा -रामदरश मिश्र
53. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण - रामधारी सिंह 'दिनकर'
54. देवनागरी लिपि और हिंदी संघर्षो की ऐतिहासिक यात्रा -रामनिरंजन परिमलेन्दु
55. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन - रामस्वरूप चतुर्वेदी
56. स्त्री-लेखन स्वरूप और संकल्प - रोहिणी अग्रवाल
57. हिंदी बाल साहित्य की रूपरेखा - श्रीप्रसाद
58. हिंदी साहित्य का उत्तरवर्ती काल - सत्यदेव मिश्र
59. हिंदी वेब साहित्य - सुनील कुमार लवटे
60. हिंदी नाटक के पाँच दशक - कुसुम खेमानी
61. नाटककार जयशंकर प्रसाद - सत्येन्द्र कुमार तनेजा
62. स्त्री विमर्श विविध पहलू - कल्पना वर्मा
63. आदिवासी साहित्य यात्रा - सं. रमणिका गुप्ता
64. दलित-विमर्श और हिंदी साहित्य - दीपक कुमार पाण्डेय
65. भारतीय दलित आन्दोलन का इतिहास (चार खंड) - मोहनदास नैमिशराय
66. मानक हिंदी का स्वरूप - कलानाथ शास्त्री
67. आधुनिक भाषाविज्ञान के सिद्धान्त - रामकिशोर शर्मा
68. भाषा विज्ञान हिंदी भाषा और लिपि - रामकिशोर शर्मा
69. हिंदी अनुसंधान - विजयपाल सिंह
70. स्त्री विमर्श विविध पहलू - कल्पना वर्मा
71. दलित-विमर्श और हिंदी साहित्य - दीपक कुमार पाण्डेय
72. भारतीय उपन्यास कथासार 1- सं. प्रभाकर माचवे
73. भारतीय उपन्यास कथासार 2 - सं. प्रभाकर माचवे
74. नयी सदी की पहचान :श्रेष्ठ महिला कथाकार - सं. ममता कालिया
75. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन - रामस्वरूप चतुर्वेदी
76. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह
77. उपन्यास की रचना - प्रक्रिया परमानंद श्रीवास्तव
78. कहानी की रचना प्रक्रिया - परमानंद श्रीवास्तव
79. उत्तर आधुनिक मीडिया विमर्श - सुधीश पचौरी
80. भारतीय नारी सन्त परम्परा - बलदेव वंशी
81. स्त्री-विमर्श का लोकपक्ष - अनामिका
82. स्त्री-विमर्श भारतीय परिप्रेक्ष्य - डॉ. के. एम. मालती
83. आदिवासी स्वर और नई शताब्दी - सं. रमणिका गुप्ता
84. आदिवासी स्वर : सामाजिक आर्थिक जीवन - सं. कुमार चौहान, श्रीमती रेनू चौहान
85. आदिवासी स्वर वाचिक परम्परा व साहित्य - सं.बी.एस. चटर्जी, जयशंकर उपाध्याय
86. भारतीय दलित साहित्यः परिप्रेक्ष्यपुत्री सिंह, कमला प्रसाद, राजेन्द्र शर्मा

87. दलित साहित्य वेदना और विद्रोह - शरणकुमार लिंबाले
88. दलित साहित्य बुनियादी सरोकार - कृष्णदत्त पालीवाल
89. दलित साहित्य के प्रतिमान - डॉ. एन. सिंह
90. संत कबीर और संत तुकडोजी के हिन्दी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. संगीता जगताप
91. सतसई काव्य परम्परा और बाल सतसई - डॉ. संगीता जगताप
92. बाल सतसई प्रबोधिनी स्वामी विजयानन्द - डॉ. राम बहोरी त्रिपाठी
93. धर्मवीर भारती की कविता - डॉ. दिना शुक्ला
94. दूसरा सप्तक के कवियों की काव्य भाषा - डॉ. तीर्थराज राय
95. राष्ट्रीय चेतना के संदर्भ में भारत के राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त एवं मॉरिशस के राष्ट्रकवि डॉ. बजेन्द्र भगत मधुकर के काव्य का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. ज्योति एन. मंत्री
96. शब्दकोश - डॉ. अजितसिंह पौहार, डॉ. गणेश पेंडीखरे, वंदना मारोतराव गुरनुले, डॉ. महेन्द्रसिंह पवार
97. डॉ. परशुराम शुक्ल का बाल साहित्य - डॉ. आनंद बक्षी
98. नरेश मेहता के मिथकीय खंडकाव्य - वर्षा शाह
99. धर्मवीर भारती का रचना संसार - डॉ. सुरेशकुमार केसवानी
100. शरद जोशी के साहित्य में व्यंग्य डॉ. संतोष विजय येरावार
101. मैत्रेयी पुष्पा के उपन्यासों में स्त्री जीवन संघर्ष - डॉ. शिवशेट्टे गोविंद गुडप्पा
102. देश विभाजन के परिप्रेक्ष्य में आधा गाँव - शिवशेट्टे गोविंद गुडमा
103. श्रीकांत वर्मा के काव्य में सामाजिक चेतना - प्रा. डॉ. सुरेखा मंत्री
104. सुमित्रानन्दन पंत के काव्य में प्रकृति प्रेम और दर्शन - डॉ. सुरेखा प्रेमचंद मंत्री
105. डॉ. शंकर शेष और रत्नाकर मतकरी के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन - डॉ. रवीन्द्र कुमार शिरसाट
106. मोहन राकेश के नाटकों में नारी भावना - डॉ. रमा शुक्ला
107. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में नारी भावना - डॉ. अनिल पाखरे
108. दलित साहित्य सामाजिक सरोकार - डॉ वाय. सी. मेंढे
109. हरिकृष्ण देवसरे एवं परशुराम शुक्ल का बाल साहित्य- डॉ. आशिष पांडे
110. डॉ. परशुराम शुक्ल कृत बाल सतसई का अनुशीलन - डॉ. रेखा धुराटे
111. पाश्चात्य काव्यालोचन-डॉ. रामप्रकाश वर्मा
112. हिंदी भाषा संरचना और भाषा विज्ञान- डॉ. रामप्रकाश वर्मा

Ancillary Credit Courses :-

अ.क्र.	कोर्स	स्वरुप	पाठ्यक्रम	काम के कुल घंटे	श्रेयांक
1	Internship	अनिवार्य	मान्यता प्राप्त संस्था, विभाग, कार्यालय(समाचारपत्र, आकाशवाणी, दूरदर्शन, टी.व्ही. चैनल्स, प्रकाशन संस्था, विविध कार्यालयों, नाट्य-गायन संस्थाओ में कार्य, ग्रंथालयों, साहित्य की गतिविधियां जहाँ हो आदि जगहों पर हिंदी के प्रत्यक्ष कार्यानुभव	75/90	3/2
2	fieldwork	अनिवार्य	हिंदी के UPSC, MPSC के प्रश्नपत्र वेबसाइड से निकलना, वर्तमान साहित्यिक घटनाओं का संकलन, नाट्य-गायन संस्थाओ में सहभागिता लोकसाहित्य का संकलन, बोलियों के मुहावरे, लोकोक्तियों का संकलन, बोली-भाषा शब्दों का हिंदी अनुवाद अथवा स्वेच्छानुसार कार्य		
3	Open Elective Course		पाठ्यक्रम के अनुसार		5
4	Co-crricular/Exacr ricular Activities		वक्तृत्व, वादविवाद, प्रश्नमंजुषा, काव्यलेखन, निबंध, सेमिनार, काव्यगायन स्पर्धाओं में सहभागिता, महाविधालयों के विविध उपक्रमों में सहभागिता (विद्यापीठ निदेश क्र.57/2022 के अनुसार)		5

सूचना:-

- Internship, fieldwork कार्य अवकाश समय में पुरा करना है |
- Internship, fieldwork कार्य पूर्ण करने का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है (प्रमाणपत्र कार्यालयप्रमुख, विभागप्रमुख,प्राचार्य आदि के हस्ताक्षर का होना अनिवार्य रहेगा |
- कुल श्रेयांक के10% श्रेयांक **Ancillary Courses** से करना आवश्यक है अर्थात 8 श्रेयांक **Ancillary Courses** से प्राप्त करना अनिवार्य है |

Open Elective Courses :-

अ. क्र.		प्रश्नपत्रिका का प्रकार		प्रश्नपत्रिका	तासिकाएँ	श्रेयांक
1	**Open Elective Courses**	**General Interest Courses**	**GIC 1**	**पुरस्कृत हिंदी कृतियाँ**	**15**	1
			GIC 2	**लोकप्रिय हिंदी साहित्य**	**15**	1
			GIC 3	**हिंदी कविता/कहानी**	**15**	1
		Skill Courses	**Skill Courses**	**विभागीय कार्यक्रमों में सूत्र-संचालन**	**15**	1
			Skill Courses	**विभागीय कार्यक्रमों का समन्वयन**	**15**	1
			Skill Courses	**हिंदी लेखन कौशल**	**15**	1

Open Elective Courses छात्र को स्वअध्ययन द्वारा पूर्ण करना है जिसके छात्र स्वयं पाठ्यक्रम देखे । छात्रों को इस प्रश्नपत्रिकाओं के लिए मार्गदर्शक अध्यापक नियुक्त किए जायेंगे।

* कुल 82 श्रेयांक से कम-से-कम 10 प्रतिशत श्रेयांक अर्थात 8 श्रेयांक छात्र को Ancillary Credit Courses से प्राप्त करना अनिवार्य है। Ancillary Credit Courses के अंतर्गत छात्र Open Elective Courses से उपरोक्त तालिका में दिए गए श्रेयांक पद्धति के अनुसार श्रेयांक प्राप्त कर सकते है।

* अन्य पाठ्यक्रम अथवा अन्य विद्याशाखा के छात्र भी GIC, Skill Courses इस पाठ्यक्रम की प्रश्नपत्रिका का चयन कर श्रेयांक प्राप्त कर सकते है।

संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय,अमरावती
अभ्यासक्रम: वाड्.मय पारंगत (हिंदी)
अभिरूचि पर आधारित श्रेयांक पद्धति (CBCS) पाठयक्रम 2022-2023
वाड्.मय पारंगत (हिंदी) / एम.ए. हिंदी

कुल श्रेयांकों का विभाजन

अ.क्र.	एम.ए. हिंदी पाठयक्रम योजना	प्रश्नपत्रिका	कुल अंक	कुल श्रेयांक (उपलब्ध अधिक-से-अधिक श्रेयांक)	प्रश्नपत्रिका (DSC & DSE) कम-से-कम पूर्णता	प्रश्नपत्रिका (Other) (RP&SEC) कम-से-कम पूर्णता	Ancillary Credit Courses कम-से-कम पूर्णता
1	सत्र 1	4	400	16	कम-से-कम 82 प्रतिशत श्रेयांक	RP- 5 श्रेयांक SEC-1&2 - 3 श्रेयांक	कुल श्रेयांकों का कम-से-कम 10 प्रतिशत श्रेयांक
2	सत्र 2	4	400	16			
3	सत्र 3	7	600	25			
4	सत्र 4	7	600	25			
		22	2000	82	64 श्रेयांक	8 श्रेयांक	8 श्रेयांक

1 एम.ए. हिंदी पाठयक्रम का कुल श्रेयांक **2000** का है।
2 छात्र चार सत्र के DSC & DSE प्रश्नपत्रिका के कुल पाठ्यक्रम से कम-से-कम 82 प्रतिशत श्रेयांक प्राप्त कर सकते है।
3 छात्र को RP & SEC प्रश्नपत्रिका से कम-से-कम 80 प्रतिशत श्रेयांक प्राप्त करना अनिवार्य है।

4 छात्र को कुल 82 श्रेयांक के कम-से-कम 10 प्रतिशत श्रेयांक अर्थात 8 श्रेयांक Ancillary Credit Courses से प्राप्त करना अनिवार्य है।